

बैटरी व्यापार

बैटरी, सोलर और इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े व्यापारियों के लिए

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

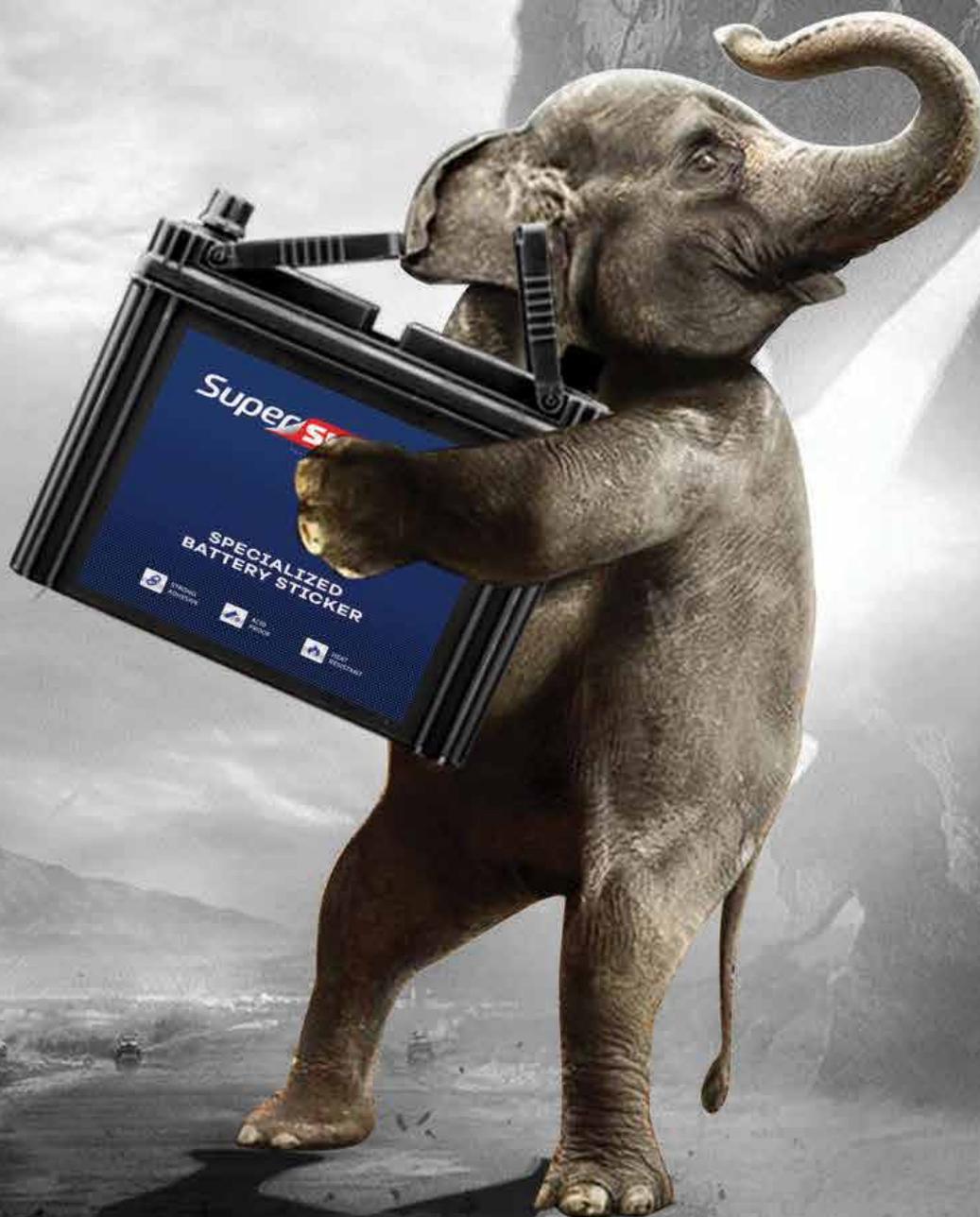
समाचार • व्यापार • प्रचार • प्रसार



भारत में शीर्ष
लिथियम-आयन
बैटरी गीगाफैक्ट्री

SuperStik™

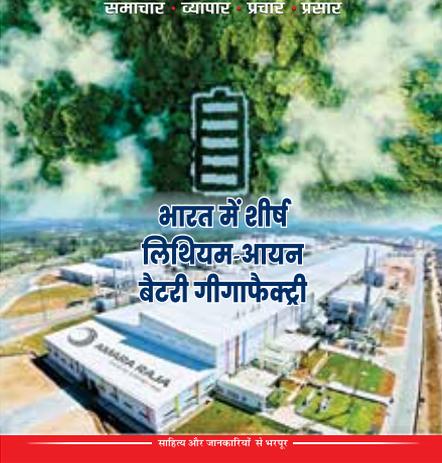
.... चिपका रहे !



KABHI SATH NA CHHODE

STRONG ADHESIVE

Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665



भारत में शीर्ष
लिथियम-आयन
बैटरी गीगाफैक्टरी

संकलक-संपादक

विनय कुमार भक्त

साहित्यिक संपादक मंडल :

माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना
निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी -पटना
पायल राधा जैन -इटावा, उ.प्र.
मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली
आशुतोष तिवारी -जोधपुर
डॉ. भागवान सहाय मीना -जयपुर

यह सभी पद अवैतनिक हैं ।

डिजाईन, ग्राफिक्स टीम :

प्रमोद कुमार
राहुल कुशवाहा

प्रोडक्शन

विजय कुमार सिंह

प्रिंटिंग :

एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

प्रिंटेड कॉपी मूल्य : रुपये 120/-

डाक खर्च सहित

सम्पादकीय कार्यालय :

डिजाईनवर्ल्ड

डब्लू जेड -572 एन, बैंक साइड,
नारायणा गाँव, दिल्ली-110028

संपर्क : 9582593779

Email : info@batterybusiness.in

Website : www.batterybusiness.in

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है ।

बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है । पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है ।

कलम कहे हमारी बात

बैटरी व्यापार के पाठकों को नमस्कार!

कलम कहे हमारी बात में मेरा निजी अनुभव होता है। आपलोग शायद पढ़ते होंगे। मेरा मन कह रहा है कि बैटरी व्यापारियों में इस समय निराशा देखने को मिल रही है। मार्केट में दिये उधार समय पर वापस नहीं मिल रहा है। जिससे जो भी व्यापार है उसकी पहिया धीमी हो रही है। मंदी के समय में कारोबारियों के लिए मैं कुछ सुझाव दे रहा हूँ। अगर यह सुझाव सही लगे तो मुझे जरूर बतायें।

स्थिति का विश्लेषण करें: मंदी के पीछे के कारणों की पहचान करें। क्या यह मौसमी गिरावट है, बाज़ार की बदलती स्थितियाँ, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा या आंतरिक कारक हैं? मूल कारणों को समझने से आपको लक्षित रणनीतियाँ विकसित करने में मदद मिलेगी।

अपनी व्यवसाय योजना की समीक्षा करें: अपनी व्यवसाय योजना पर दोबारा गौर करें और आकलन करें कि क्या इसमें समायोजन की आवश्यकता है। इस बात पर विचार करें कि क्या आपके उत्पाद या सेवाएँ अभी भी ग्राहकों की ज़रूरतें पूरी कर रहे हैं और क्या आपकी मार्केटिंग और बिक्री रणनीतियाँ प्रभावी हैं।

अनावश्यक लागतों में कटौती करें: अपने खर्चों पर कड़ी नजर रखें और उन क्षेत्रों की पहचान करें जहाँ आप आवश्यक कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव डाले बिना लागत कम कर सकते हैं। इसमें अनुबंधों पर दोबारा बातचीत करना, सेवाओं को समेकित करना या आपकी आपूर्ति श्रृंखला को अनुकूलित करना शामिल हो सकता है।

मूल्य निर्धारण और प्रचार का मूल्यांकन करें: यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी मूल्य निर्धारण रणनीति का मूल्यांकन करें कि यह प्रतिस्पर्धी और लाभदायक बनी रहे। मंदी के दौरान ग्राहकों को आकर्षित करने और बिक्री को प्रोत्साहित करने के लिए लक्षित प्रचार या छूट चलाने पर विचार करें।

ग्राहक प्रतिधारण पर ध्यान दें: ग्राहक संतुष्टि और वफादारी को प्राथमिकता दें। मौजूदा ग्राहकों को बनाए रखने और दोबारा व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए असाधारण ग्राहक सेवा, वैयक्तिकृत अनुभव और वफादारी कार्यक्रम प्रदान करें।

अपने ग्राहक आधार का विस्तार करें: नए ग्राहक खंडों या बाज़ारों का अन्वेषण करें। अप्रयुक्त अवसरों की पहचान करने के लिए बाज़ार अनुसंधान करें और संभावित ग्राहकों तक पहुंचने के लिए अपने मार्केटिंग प्रयासों को तैयार करें, जो आपके उत्पादों या सेवाओं के बारे में नहीं जानते होंगे। उम्मीद है यह जानकारी आपके लिए लाभदायक होगी।

धन्यवाद!

विनय कुमार भक्त

info@batterybusiness.in

www.batterybusiness.in

इस अंक में पढ़िये

05 समाचार

तमिलनाडु में बैटरी से चलने वाले यात्री वाहनों को बिना किसी शुल्क के परमिट मिलेगा

गेल (इंडिया) लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में 10 मेगावाट ग्रिड कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए निविदाएं जारी कीं

06 समाचार

रिन्यू, संदुर समूह ने कर्नाटक के कुडलिगी में सौर, पवन ऊर्जा संयंत्र लॉन्च किया

09 समाचार

लोहिया बैटरी स्विपिंग स्टेशन बिज़ में प्रवेश किया, विशाखापत्तनम में 3 सर्विस स्टेशन स्थापित

10 विशेष

ग्लासगो विश्वविद्यालय इलेक्ट्रिक बैटरियों पर नए अध्ययन का समर्थन करता है

11 विशेष

अपने घर के लिए बैटरी खरीदते समय ध्यान रखने योग्य बातें

15 विशेष

बैटरी उद्योग और सोलर उद्योग एक दूसरे के पूरक हैं

17 समाचार

टोयोटा ने ईवी इनोवेशन की योजना के लिए नई बैटरी टेक्नोलॉजी का खुलासा किया

19 सामान्य ज्ञान

आपकी कम्पनी ग्राहकों की संतुष्टि को कैसे मापती है और प्राथमिकता देती है?

21 साहित्य-काव्य

वसुधा/जननी | मृत्यु भोज
टेक्नोलॉजी? बैटरी



07 समाचार

ओला ने भारत के तमिलनाडु में गीगाफैक्ट्री का निर्माण शुरू किया

12 विशेष

भारत में शीर्ष लिथियम-आयन बैटरी गीगाफैक्ट्री

"कैलेंडर से मूर्ख मत बनो। वर्ष में केवल उतने ही दिन होते हैं जितना आप उपयोग करते हैं। एक आदमी को एक वर्ष में से केवल एक सप्ताह का मूल्य मिलता है जबकि दूसरे व्यक्ति को एक सप्ताह में से पूरे वर्ष का मूल्य मिलता है।"

तमिलनाडु में बैटरी से चलने वाले यात्री वाहनों को बिना किसी शुल्क के परमिट मिलेगा

तमिलनाडु सरकार ने एक आदेश जारी किया है जिसमें कहा गया है कि सभी यात्री वाहन जो बैटरी चालित हैं (जैसा कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 2 के खंड (यू) के तहत परिभाषित किया गया है, जैसे ई-ऑटोरिक्शा, ई-टैक्सी और निजी ईवी) बसें) या यात्री वाहन जो मेथनॉल या इथेनॉल ईंधन पर चलते हैं, उन्हें परिवहन विभाग द्वारा बिना शुल्क के परमिट जारी किया जाएगा।

उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने एक विज्ञप्ति में कहा, "यह इस बात का उदाहरण है कि यह सरकार उद्योग की जरूरतों के प्रति कितनी ग्रहणशील है।"

"उद्योग से मिले फीडबैक के आधार पर, हम पूरे तमिलनाडु में ईवी चार्जिंग इन्फ्रा को बेहतर बनाने पर भी काम कर रहे हैं। इन सभी कदमों से निश्चित रूप से राज्य में ईवी वाहनों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।" इसने एक महत्वपूर्ण नीतिगत अंतर

को दूर कर दिया है और तमिलनाडु में ईवी बेड़े के विस्तार की सुविधा प्रदान करेगा।

यात्री परिवहन के रूप में चलने वाले ईवी का पंजीकरण अब तमिलनाडु में शुरू होगा। इससे पहले, बैटरी चालित यात्री वाहनों और मेथनॉल या इथेनॉल ईंधन पर चलने वाले यात्री वाहनों के लिए परमिट जारी नहीं किए जा रहे थे। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2018 में एक अधिसूचना जारी की थी जिसमें कहा गया था कि हरित वाहनों को बढ़ावा देने के इरादे से बैटरी चालित यात्री वाहनों और मेथनॉल या इथेनॉल ईंधन पर चलने वाले यात्री वाहनों को परमिट प्राप्त करने से छूट दी गई थी। कार्यान्वयन प्राधिकारी के रूप में, तमिलनाडु सरकार के परिवहन आयुक्त ने बताया था कि पंजीकरण और परमिट जारी करने की प्रक्रिया के बिना, विनियमन के मुद्दे और क्षेत्र की

समस्याएं होंगी।

16 जून, 2023 को गाइडेंस तमिलनाडु द्वारा आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में, ईवी उद्योग के सदस्यों ने श्री राजा को इस मुद्दे से अवगत कराया। मंत्री ने तुरंत मुख्यमंत्री एम.के. से हस्तक्षेप का अनुरोध किया। स्टालिन, जिन्होंने निर्देश दिया कि बैटरी चालित साइकल यात्री वाहनों को जमीन पर चालू करने के लिए सुविधाजनक विनियमन के लिए जल्द से जल्द उचित आदेश जारी किए जाएं।

28 जून 2023 को परिवहन विभाग के प्रधान सचिव पी. अमुधा ने एक आदेश जारी कर कहा कि सभी परिवहन वाहन जो बैटरी चालित हैं या मेथनॉल या इथेनॉल ईंधन पर चलते हैं (मालवाहक वाहनों को छोड़कर जिनका सकल वाहन वजन कम है) 3,000 किग्रा) को परिवहन विभाग द्वारा बिना परमिट शुल्क के परमिट जारी किया जाएगा।

गेल (इंडिया) लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में 10 मेगावाट ग्रिड कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए निविदाएं जारी कीं

गेल (इंडिया) लिमिटेड, सबसे बड़ी सरकारी स्वामित्व वाली प्राकृतिक गैस प्रसंस्करण और वितरण कंपनी, विजयपुर, जिले में 10 मेगावाट (एसी) ग्रिड कनेक्टेड ग्राउंड माउंटेड सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट की स्थापना के लिए बोलियां आमंत्रित कर रही है। गुना, मध्य प्रदेश. निविदा एक टर्नकी परियोजना के लिए है, जिसमें सौर ऊर्जा संयंत्र के डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, आपूर्ति, भंडारण, सिविल कार्य, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल है। सफल बोलीदाता 5 वर्षों की अवधि के लिए संयंत्र के व्यापक संचालन और रखरखाव के लिए भी जिम्मेदार होगा।

बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 12 जुलाई, 2023 है। बोलियां अगले दिन खोली जाएंगी।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि परियोजना के लिए घरेलू सामग्री आवश्यकता (डीसीआर) का पालन करना आवश्यक है, जहां संयंत्र में उपयोग किए जाने वाले सौर पीवी मॉड्यूल का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए। बोली लगाने वाले को निर्दिष्ट स्थान पर बिजली संयंत्र की पूरी 10 मेगावाट (एसी)



क्षमता स्थापित करने की आवश्यकता है।

कार्य के दायरे में डिजाइन, इंजीनियरिंग, खरीद, आपूर्ति और सौर पैनलों, मॉड्यूल माउंटिंग संरचनाओं और फास्टनरों के निर्माण जैसे विभिन्न पहलू शामिल हैं। निविदा दस्तावेज़ इच्छुक बोलीदाताओं को प्रक्रिया में भाग लेने के लिए विस्तृत जानकारी और दिशानिर्देश प्रदान करते हैं।

सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की गेल की पहल नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह परियोजना योग्य बोलीदाताओं के लिए भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान करने और देश के बढ़ते सौर उद्योग में भाग लेने का अवसर प्रस्तुत करती है।

(स्रोत : solarquarter.com)

रिन्यू, संदुर समूह ने कर्नाटक के कुडलिगी में सौर, पवन ऊर्जा संयंत्र लॉन्च किया



कर्नाटक के विजयनगर जिले के कुडलिगी में 33 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र और 9.9 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र, जो कि ReNew SMIORE का संयुक्त उद्यम है, का उद्घाटन 28 जून, 2023 को किया गया था।

अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक, रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी (रेन्यू) ने कर्नाटक के विजयनगर जिले के कुडलिगी में एक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना में निवेश शुरू करने की घोषणा की है। ReNew अपनी सहायक कंपनी Renew ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से इस परियोजना में भाग ले रही है, जिसने एक प्रमुख औद्योगिक समूह सैंडूर मैगनीज एंड आयरन ओरेस लिमिटेड (SMIORE) के साथ साझेदारी की है। साझेदारों ने एक बिजली संयंत्र विकसित करने के लिए इक्विटी-आधारित समझौता किया था जो टिकाऊ बिजली उत्पन्न करने के लिए पवन और सौर ऊर्जा को जोड़ता है।

रिन्यू संदुर ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित 33 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र और 9.9

मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र से क्षेत्र के नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। सूरज की रोशनी और हवा की शक्ति का उपयोग करके, परियोजना का लक्ष्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना और हरित भविष्य में योगदान देना है। कंपनी का दावा है कि संयंत्र पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए ऊर्जा उत्पादन को अधिकतम करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों और कुशल बुनियादी ढांचे का उपयोग करेगा।

SMIORE के प्रबंध निदेशक बहिरजी ए. घोरपड़े ने कहा, “राइट इश्यू के माध्यम से जुटाई गई पूंजी का उपयोग इस परियोजना को पूरा करने में किया गया है। इसके साथ, SMIORE भविष्य में कई वर्षों तक हमारे धातुकर्म संयंत्रों को बिजली देने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का लाभ उठाने में

सक्षम होगा। यह टिकाऊ भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि जीवाश्म ईंधन पर हमारी निर्भरता कम हो जाएगी और यह हरित पर्यावरण में योगदान करने में मदद करेगा।

राहुला कश्यप, उपाध्यक्ष, बिजनेस डेवलपमेंट - बी2बी बिजनेस, रिन्यू ने कहा, “यह परियोजना क्षेत्र की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देगी, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करेगी और जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करेगी। ReNew और SMIORE को नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति में सबसे आगे होने पर गर्व है, और यह संयुक्त निवेश एक स्थायी भविष्य के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और पर्यावरण और समुदाय पर इसके सकारात्मक प्रभाव की आशा करता है।

ओला ने भारत के तमिलनाडु में गीगाफैक्ट्री का निर्माण शुरू किया



ओला इलेक्ट्रिक ने तमिलनाडु के कृष्णागिरी में अपनी सेल फैक्ट्री में पहला पिलर स्थापित करके अपनी गीगाफैक्ट्री का निर्माण शुरू कर दिया है।

115 एकड़ में फैली, ओला गीगाफैक्ट्री अगले साल की शुरुआत में 5-गीगावाटघंटे (जीडब्ल्यूएच) की प्रारंभिक क्षमता के साथ परिचालन शुरू करेगी, जिसे चरणों में पूरी क्षमता पर 100 गीगावाट तक विस्तारित किया जाएगा।

परिचालन शुरू होने पर, ओला इलेक्ट्रिक का दावा है कि उसकी गीगाफैक्ट्री भारत की सबसे बड़ी सेल फैक्ट्री होगी, और पूरी क्षमता पर, दुनिया की सबसे बड़ी सेल विनिर्माण सुविधाओं में से एक होगी।

ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने कहा, “हमारी गीगाफैक्ट्री भारत की विद्युतीकरण यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर होगी, जो हमें भारत को वैश्विक ईवी केंद्र बनाने के करीब लाएगी। नवाचार, प्रौद्योगिकी और बड़े पैमाने पर विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, हम इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य को आगे बढ़ाने और #EndICEAge के लिए प्रतिबद्ध हैं।”

ओला का दावा है कि उसकी गीगाफैक्ट्री अब

तक बनी सबसे तेज सेल फैक्ट्रियों में से एक होगी।

कंपनी का कहना है कि ओला गीगाफैक्ट्री भारत की वैश्विक ईवी हब बनने की क्षमता को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, इसका उद्देश्य ईवी मूल्य श्रृंखला के सभी महत्वपूर्ण तत्वों को स्थानीय बनाना है।

ओला का कहना है कि उसने सेल और बैटरी अनुसंधान और विकास में भी निवेश किया है और बेंगलुरु में एक सेल आर एंड डी सुविधा स्थापित की है। कंपनी ने हाल ही में दोपहिया, चार-पहिया (4W) और सेल में अपनी विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार करने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू के हिस्से के रूप में, ओला एक ईवी हब स्थापित करेगा जिसमें उन्नत सेल और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण सुविधाएं, विक्रेता और आपूर्तिकर्ता पार्क और ईवी के लिए बड़ा सहायक पारिस्थितिकी तंत्र एक ही स्थान पर होगा।

यह ओला इलेक्ट्रिक द्वारा इलेक्ट्रिक स्कूटरों की कीमतें बढ़ाने के तीन सप्ताह बाद आया है क्योंकि सरकार ने 1 जून, 2023 से इलेक्ट्रिक

दोपहिया वाहनों पर FAME-II (भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण को तेजी से अपनाया) सब्सिडी कम कर दी है।

19 मई, 2023 को भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना में, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर प्रोत्साहन मौजूदा ₹15,000 प्रति kWh से घटाकर ₹10,000 प्रति kWh कर दिया गया है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए प्रोत्साहन की सीमा वाहनों की पूर्व-फैक्ट्री कीमतों का 15% होगी, जो पहले 40% थी।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर S1 प्रो की कीमत अब ₹1,39,999 है; S1 (3KWh) ₹1,29,999 पर; और S1 एयर (3KWh) ₹1,09,999 पर। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर अब पहले से करीब 15,000 रुपये महंगे हैं। अग्रवाल ने कहा, “सरकारी सब्सिडी में उल्लेखनीय कटौती के बावजूद, हमने जून से अपने उत्पाद की कीमतों में मामूली वृद्धि की है, जिससे ओला एस1 भारत में सबसे अच्छा ईवी प्रस्ताव बन गया है। ओला इलेक्ट्रिक देश में इलेक्ट्रिक वाहन अपनाते को बढ़ावा देने और लोगों के यात्रा करने के तरीके को फिर से परिभाषित करने के अपने मिशन में दृढ़ है।”

VERATEK[®]

Energy Revolution

SOLAR TALL TUBULAR BATTERY

POWER BACKUP SOLUTION

QUICK RECHARGE > MORE BACKUP >



LOW MAINTENANCE



HIGH POWER



SELENIUM INSIDE

Contact : +91 9810622544 | Email : amtekbatteries@gmail.com

लोहिया बैटरी स्वैपिंग स्टेशन बिज़ में प्रवेश किया, विशाखापत्तनम में 3 सर्विस स्टेशन स्थापित

लोहिया ई-मोबिलिटी स्पेस में एक नयी कंपनी ने विशाखापत्तनम में अपनी पहली सुविधा के लॉन्च के साथ बैटरी-स्वैपिंग स्टेशन व्यवसाय में प्रवेश किया है। अदला-बदली सह सर्विस स्टेशन शांति आश्रम मार्ग, टाउन कोठा और मुदासरलोवा में स्थित हैं। ये स्टेशन शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उच्च क्षमता वाली बैटरी की अदला-बदली का अनुभव प्रदान करेंगे। प्रारंभिक चरण में, ईवी मालिकों के लिए कुशल सेवा और निर्बाध संचालन प्रदान करने के लिए कुल 240 बैटरी स्वैपिंग स्लॉट उपलब्ध हैं।

एक मीडिया वेबसाइट के अनुसार कंपनी का कहना है कि बैटरी की अदला-बदली के क्षेत्र में उसका प्रवेश ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम (जीवीएमसी) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के सहयोग से हुआ है। एडीबी के 'अर्बन क्लाइमेट चेंज रेजिलिएंस ट्रस्ट फंड' और विशाखापत्तनम चेन्नई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम (वीसीआईसीडीपी) के सहयोग से लोहिया ने विशाखापत्तनम में पहला बैटरी-स्वैपिंग स्टेशन



सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

लोहिया के सीईओ आयुष लोहिया ने कहा, "यह पहला इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक व्यावहारिक बनाने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के हमारे विजन के अनुरूप है। एक विश्वसनीय और कुशल अदला-बदली समाधान प्रदान करके, हमारा लक्ष्य ईवीएस की धारणा को बदलना और उनके व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा देना है।

कंपनी की निकट भविष्य में अन्य शहरों में अपने नेटवर्क का विस्तार करने की महत्वाकांक्षी योजना है। वर्तमान में, लोहिया बैटरी से चलने वाले तिपहिया वाहनों से लेकर यात्री वाहनों, कार्गो और लोडर सहित अन्य की बिक्री करते हैं। काशीपुर में इसकी विनिर्माण सुविधा प्रति वर्ष 100,000 ई-वाहनों का उत्पादन कर सकती है।

WEBDESIGN | SOCIAL MEDIA ADVERTISING | DIGITAL MARKETING | SEO



DIGICONNECT
....Easy Connect

CALL & WHATSAAP 9315 62 9212

ग्लासगो विश्वविद्यालय इलेक्ट्रिक बैटरियों पर नए अध्ययन का समर्थन करता है

एक मीडिया वेबसाइट के रिपोर्ट के अनुसार जेम्स वाट स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के एक शोधकर्ता एक नए अध्ययन के सह-लेखक हैं जो भविष्य की पीढ़ियों की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरियों में काफी सुधार कर सकता है।

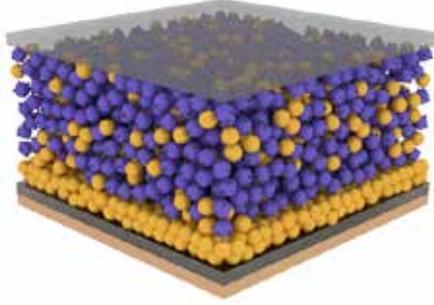
डॉ. गुआनचेन ली ने शोध में योगदान दिया, जिसका नेतृत्व ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने किया और नेचर में प्रकाशित किया।

उन्नत इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने उन तंत्रों का खुलासा किया जो लिथियम मेटल सॉलिड-स्टेट बैटरी (Li-SSBs) के विफल होने का कारण बनते हैं। यदि इन्हें दूर किया जा सकता है, तो लिथियम धातु एनोड का उपयोग करने वाली ठोस-राज्य बैटरियां ईवी बैटरी रेंज, सुरक्षा और प्रदर्शन में चरण-परिवर्तन सुधार प्रदान कर सकती हैं, और विद्युत चालित विमानन को आगे बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

पेपर के सह-प्रमुख लेखक डॉ. ली ने कंप्यूटर मॉडलिंग विकसित करने में मदद की जो अध्ययन का आधार है। उन्होंने कहा: "सॉलिड-स्टेट बैटरियों में लिथियम-आयन बैटरियों की वर्तमान पीढ़ी की तुलना में परिवर्तनकारी सुधार लाने की क्षमता है - समान आकार की एक सॉलिड-स्टेट बैटरी संभावित रूप से दोगुनी ऊर्जा संग्रहित कर सकती है, जिससे इलेक्ट्रिक कारों या इलेक्ट्रिक विमानों को याला करने में मदद मिलेगी।" आगे। हालाँकि, अब तक, वे कुछ मूलभूत कीमो-मैकेनिकल मुद्दों से पीड़ित हैं जो उन्हें व्यावसायिक स्तर पर काम करने से रोकते हैं। यह शोध आगे चलकर सॉलिड-स्टेट बैटरियों में उस समस्या को हल करने में मदद कर सकता है।

ली-एसएसबी अन्य बैटरियों से अलग हैं क्योंकि वे पारंपरिक बैटरियों में ज्वलनशील तरल इलेक्ट्रोलाइट को ठोस इलेक्ट्रोलाइट से बदल देते हैं और लिथियम धातु को एनोड (नकारात्मक इलेक्ट्रोड) के रूप में सक्षम करते हैं। ठोस इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग बैटरी को सुरक्षित बनाता है और इसका मतलब है कि अधिक ऊर्जा संग्रहीत की जा सकती है।

हालाँकि, ली-एसएसबी के साथ एक महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि 'डेंड्राइट्स' की वृद्धि के कारण चार्ज करते समय उनमें शॉर्ट सर्किट होने का खतरा होता है: लिथियम धातु के फिलामेंट्स जो सिरेमिक



इलेक्ट्रोलाइट के माध्यम से टूटते हैं। फैंराडे इंस्टीट्यूशन के सोलबैट प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सामग्री, रसायन विज्ञान और इंजीनियरिंग विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने यह शॉर्ट-सर्किटिंग कैसे होती है, इसके बारे में और अधिक समझने के लिए गहन जांच की एक श्रृंखला का नेतृत्व किया है। एक्स-रे कंप्यूटेड टोमोग्राफी छवियां चार्जिंग प्रक्रिया के दौरान एक ठोस-अवस्था बैटरी के भीतर लिथियम डेंड्राइट दरार की प्रगतिशील वृद्धि को दर्शाता है।

एक्स-रे कंप्यूटेड टोमोग्राफी छवियां चार्जिंग प्रक्रिया के दौरान एक ठोस-अवस्था बैटरी के भीतर लिथियम डेंड्राइट दरार की प्रगतिशील वृद्धि को दर्शाती हैं। इस नवीनतम अध्ययन में, समूह ने चार्जिंग प्रक्रिया के दौरान डेंड्राइट विफलता को अभूतपूर्व विस्तार से देखने के लिए डायमंड लाइट सोर्स में एक्स-रे कंप्यूटेड टोमोग्राफी नामक एक उन्नत इमेजिंग तकनीक का उपयोग किया। नए इमेजिंग अध्ययन से पता चला कि डेंड्राइट दरारों की शुरुआत और प्रसार अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं, जो अलग-अलग अंतर्निहित तंत्रों द्वारा संचालित होती हैं। डेंड्राइट दरारें तब शुरू होती हैं जब लिथियम उप-सतह छिद्रों में जमा हो जाता है। जब छिद्र भर जाते हैं, तो बैटरी को और अधिक चार्ज करने से दबाव बढ़ जाता है, जिससे दरार पड़ने लगती है। इसके विपरीत, प्रसार तब होता है जब लिथियम केवल आंशिक रूप से दरार को भरता है, एक वेज-ओपनिंग तंत्र के माध्यम से जो पीछे से दरार को खोलता है।

यह नई समझ ली-एसएसबी की तकनीकी चुनौतियों पर काबू पाने का रास्ता बताती है। अध्ययन के एक अन्य सह-प्रमुख लेखक, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सामग्री विभाग में

पीएचडी छात्र डोमिनिक मेल्विन ने कहा: "उदाहरण के लिए, जबकि लिथियम एनोड पर दबाव ठोस इलेक्ट्रोलाइट के साथ इंटरफ़ेस पर विकसित होने वाले अंतराल से बचने के लिए अच्छा हो सकता है डिस्चार्ज पर, हमारे परिणाम दर्शाते हैं कि बहुत अधिक दबाव हानिकारक हो सकता है, जिससे डेंड्राइट के फैलने और चार्ज करने पर शॉर्ट-सर्किट होने की संभावना अधिक हो जाती है।"

सर पीटर ब्रूस, वोल्फसन चेयर, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में सामग्री के प्रोफेसर, फैंराडे इंस्टीट्यूशन के मुख्य वैज्ञानिक और अध्ययन के संबंधित लेखक ने कहा: "वह प्रक्रिया जिसके द्वारा लिथियम जैसी नरम धातु अत्यधिक घने कठोर सिरेमिक में प्रवेश कर सकती है दुनिया भर के उत्कृष्ट वैज्ञानिकों के कई महत्वपूर्ण योगदानों से इलेक्ट्रोलाइट को समझना चुनौतीपूर्ण साबित हुआ है। हमें उम्मीद है कि हमने जो अतिरिक्त अंतर्दृष्टि प्राप्त की है, वह एक व्यावहारिक उपकरण की दिशा में सॉलिड-स्टेट बैटरी अनुसंधान की प्रगति में मदद करेगी।

फैंराडे इंस्टीट्यूशन की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, एसएसबी 2040 तक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में बैटरी की वैश्विक मांग का 50%, परिवहन में 30% और विमान में 10% से अधिक को पूरा कर सकता है।

फैंराडे इंस्टीट्यूशन के सीईओ, प्रोफेसर पाम थॉमस ने कहा: "सोलबैट शोधकर्ता सॉलिड-स्टेट बैटरी विफलता की एक यंत्रण समझ विकसित करना जारी रख रहे हैं - एक बाधा जिसे ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों के लिए व्यावसायिक रूप से प्रासंगिक प्रदर्शन के साथ उच्च-शक्ति बैटरी को साकार करने से पहले दूर करने की आवश्यकता है। परियोजना उन रणनीतियों की जानकारी दे रही है जिनका उपयोग सेल निर्माता इस तकनीक के लिए सेल विफलता से बचने के लिए कर सकते हैं। यह एप्लिकेशन-प्रेरित अनुसंधान उस प्रकार की वैज्ञानिक प्रगति का एक प्रमुख उदाहरण है जिसे चलाने के लिए फैंराडे संस्थान की स्थापना की गई थी। शोधकर्ताओं का पेपर, जिसका शीर्षक है 'लिथियम मेटल सॉलिड-स्टेट बैटरी में डेंड्राइट दीक्षा और प्रसार', नेचर में प्रकाशित हुआ है।

(स्रोत: indiaeducationdiary.in)

अपने घर के लिए बैटरी खरीदते समय ध्यान रखने योग्य बातें

आज इन्वर्टर हर घर में देखा जा सकता है। इन्वर्टर के साथ बैटरी भी चाहिए नहीं तो बैकअप कैसे मिलेगा। हमें अपने घर के लिए बैटरी खरीदते समय, विचार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कारक हैं। यहाँ कुछ प्रमुख बातों को ध्यान में रखना है:

ऊर्जा क्षमता: अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का निर्धारण करें और उन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयुक्त क्षमता वाली बैटरी चुनें। कारकों पर विचार करें जैसे कि आप कितने उपकरणों या उपकरणों को बिजली देने की योजना बना रहे हैं, उनकी बिजली की खपत, और बैकअप पावर की अवधि जो आप चाहते हैं।

बैटरी प्रकार: घरेलू उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार की बैटरी उपलब्ध हैं, जिनमें लेड-एसिड, लिथियम-आयन और फ्लो बैटरी शामिल हैं। ऊर्जा घनत्व, जीवन काल, दक्षता और लागत के संदर्भ में

प्रत्येक प्रकार के अपने फायदे और नुकसान हैं। आपकी विशिष्ट आवश्यकताओं और बजट के लिए सबसे उपयुक्त बैटरी खोजने के लिए विभिन्न प्रकार की बैटरी पर शोध करें और उनकी तुलना करें।

जीवनकाल और वारंटी: बैटरी के अपेक्षित जीवन काल और निर्माता द्वारा प्रदान की गई वारंटी का मूल्यांकन करें। लंबे जीवनकाल वाली बैटरियां लंबे समय में पैसे के लिए बेहतर मूल्य प्रदान कर सकती हैं। कारकों पर विचार करें जैसे कि चार्ज चक्रों की संख्या बैटरी अपनी क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से कम करने से पहले सहन कर सकती है।

दक्षता: उच्च ऊर्जा दक्षता वाली बैटरियों की तलाश करें, जिसका अर्थ है कि वे कम से कम नुकसान के साथ ऊर्जा को स्टोर और डिलीवर कर सकती हैं। उच्च दक्षता बेहतर समग्र प्रदर्शन में



अनुवाद करती है और बिजली के बिलों पर आपके पैसे बचा सकती है।

मापनीयता: यदि आप भविष्य में अपनी ऊर्जा भंडारण आवश्यकताओं में वृद्धि की आशा करते हैं, तो बैटरी प्रणाली की मापनीयता पर विचार करें। कुछ बैटरियों को अतिरिक्त इकाइयों को जोड़कर आसानी से विस्तारित किया जा सकता है, जबकि अन्य में मापनीयता के संदर्भ में सीमाएँ हो सकती हैं।

सुरक्षा विशेषताएं: बैटरी से

निपटने के दौरान सुरक्षा सर्वोपरि है। उन बैटरियों की तलाश करें जिनमें अंतर्निहित सुरक्षा विशेषताएँ हैं जैसे ओवरचार्ज सुरक्षा, शॉर्ट सर्किट संरक्षण और तापमान विनियमन। ये सुविधाएँ दुर्घटनाओं को रोकने और बैटरी सिस्टम के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने में मदद कर सकती हैं।

स्थापना और रखरखाव: बैटरी की स्थापना आवश्यकताओं और रखरखाव आवश्यकताओं पर विचार करें। कुछ बैटरियों को पेशेवर स्थापना की आवश्यकता हो सकती है, जबकि अन्य DIY सेटअप के लिए अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, जांचें कि क्या बैटरी को संबंधित समय और लागत में किसी नियमित रखरखाव कार्य और कारक की आवश्यकता है।

सौर या ग्रिड के साथ एकीकरण: यदि आपके पास सौर ऊर्जा प्रणाली है या भविष्य में इसे स्थापित करने की योजना है, तो जांच लें कि बैटरी सौर एकीकरण के अनुकूल है या नहीं। इसके अलावा, इस बात पर विचार करें कि क्या बैटरी ग्रिड के साथ इंटरैक्ट कर सकती है, जिससे आप समय-समय पर उपयोग की जाने वाली बिजली दूरों का लाभ उठा सकते हैं या मांग प्रतिक्रिया जैसे कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं।

ब्रांड प्रतिष्ठा और समर्थन: बैटरी निर्माता की प्रतिष्ठा पर शोध करें और उनके उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए ग्राहकों की समीक्षा पढ़ें। इसके अतिरिक्त, ग्राहक सहायता, वारंटी सेवाओं और तकनीकी सहायता की उपलब्धता पर विचार करें।

लागत: अंत में, बैटरी की लागत का मूल्यांकन करें, जिसमें प्रारंभिक खरीद मूल्य, स्थापना व्यय और आवश्यक अतिरिक्त उपकरण शामिल हैं। ऊर्जा की बचत, संभावित प्रोत्साहन और बैटरी के जीवन काल जैसे कारकों के आधार पर दीर्घकालिक वित्तीय लाभों और निवेश पर प्रतिफल (आरओआई) पर विचार करें।

इन कारकों पर विचार करके और पूरी तरह से शोध करके, आप अपने घर के लिए बैटरी खरीदते समय एक सूचित निर्णय ले सकते हैं जो आपकी ऊर्जा आवश्यकताओं, बजट और दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप हो।

भारत में शीर्ष लिथियम-आयन बैटरी गीगाफैक्ट्री

भारत वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपना वादा निभाने और कार्बन तटस्थ बनने में सहायता करने के लिए स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), जो अपने मूक संचालन और शून्य टेलपाइप उत्सर्जन के लिए जाने जाते हैं, ऑटोमोबाइल से CO2 उत्सर्जन को कम करके इस प्रयास में एक आवश्यक भूमिका निभा सकते हैं। ऑटोमोटिव क्षेत्र वर्तमान में एक आकर्षक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, टेस्ला 2008 से लिथियम-आयन बैटरी चालित कारों के अग्रणी निर्माता के रूप में अग्रणी है। अमेरिकी ईवी स्टार्टअप के रूप में टेस्ला की उल्लेखनीय सफलता ने इसे दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता के रूप में स्थापित किया है, जो उत्पादन कर रहा है। इसके प्रसिद्ध गीगा कारखानों में विभिन्न वाहन मॉडल। नतीजतन, "गीगा" शब्द ने टेस्ला की अभूतपूर्व पहल के माध्यम से लोकप्रियता हासिल की है। भारत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, आयात कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों और नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग का समर्थन करने के लिए भारत में लिथियम-आयन बैटरी गीगाफैक्ट्री का निर्माण करना चाहता है। इन महत्वाकांक्षी योजनाओं में भारत को अगला बैटरी निर्यातक बनने और स्वच्छ ऊर्जा रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए 2030 तक 12 गीगा कारखाने बनाना शामिल है। भारत अपने नवाचार और विनिर्माण क्षमताओं के कारण टिकाऊ परिवहन और ऊर्जा भंडारण में वैश्विक परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

गीगाफैक्ट्री क्या है?

गीगा फैक्ट्री का नाम 'गीगा' शब्द से बना है, जो माप की इकाई "अरबों" का प्रतिनिधित्व करती है। सीधे शब्दों में कहें तो, गीगा फैक्टरियाँ बड़े पैमाने की फैक्टरियाँ हैं जो नवीन विनिर्माण, कम रसद अपशिष्ट, अनुकूलित सह-स्थित प्रक्रियाओं और कम ओवरहेड्स के माध्यम से पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को सक्षम कर सकती हैं और लागत को कम कर सकती हैं। उनका इरादा कच्चे माल से लेकर घटकों से लेकर तैयार उत्पादों तक बैटरियों की एंड-टू-एंड हैंडलिंग और पुरानी बैटरियों की रीसाइक्लिंग प्रदान करना है। इन संयंत्रों में उत्पादित बैटरियाँ इलेक्ट्रिक वाहनों, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग और बिजली ग्रिड की जरूरतों को पूरा करेंगी।

भारत में लिथियम-आयन बैटरी गीगाफैक्ट्री स्थापित करने वाली शीर्ष कंपनियां

ओला गीगा फैक्ट्री

भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में से एक, ओला इलेक्ट्रिक ने 100 गीगावाट गीगा फैक्ट्री बनाने की योजना की घोषणा की है। 5 GWh की प्रारंभिक क्षमता के साथ, इस परियोजना पर निर्माण पहले ही शुरू हो चुका है, और इसके चालू वित्तीय वर्ष (2023) के अंत तक पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। इस गीगा फैक्ट्री की 115 एकड़ की साइट तमिलनाडु के कृष्णानगर में पाई जा सकती है।

संयंत्र का इरादा विदेशों में बैटरी आपूर्ति पर निर्भरता को कम करने के लिए सभी बैटरी विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला घटकों का उत्पादन करने का है। एनएमसी 2170 बैटरी सेल का उत्पादन प्रारंभिक उद्देश्य है।



ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने कहा, "यह हमारे लिए गर्व का क्षण है क्योंकि हमने आज अपनी गीगाफैक्ट्री का पहला स्तंभ स्थापित किया है। हमारी गीगाफैक्ट्री भारत की विद्युतीकरण यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर होगी, जो हमें भारत को वैश्विक ईवी केंद्र बनाने के करीब लाएगी। नवाचार, प्रौद्योगिकी और बड़े पैमाने पर विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, हम इलेक्ट्रिक और #EndICEAge के भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

अमारा राजा बैटरीज

अमारा राजा बैटरीज लिमिटेड ने हाल ही में तेलंगाना में सबसे व्यापक गीगाफैक्ट्री का उद्घाटन किया है, जिसमें आगामी दशक में 9,500 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश होगा। प्रतिष्ठान लिथियम कोशिकाओं के लिए 16 गीगावाट और



बैटरी पैक के लिए 5 गीगावाट की अधिकतम क्षमता वाली लिथियम-आयन बैटरी का उत्पादन करेगा। उद्घाटन के महत्व को तेलंगाना के सम्मानित आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामा राव की उपस्थिति से रेखांकित किया गया, जिन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों और टिकाऊ गतिशीलता के संबंध में राज्य के उद्देश्यों के लिए इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। निगम अपने प्रारंभिक चरण के लिए 1,500 करोड़ रुपये से 2,000 करोड़ रुपये तक की राशि आवंटित करने के लिए तैयार है,

जिसके दो से तीन वर्षों के भीतर समाप्त होने की उम्मीद है। तेलंगाना में यह गीगाफैक्ट्री इस क्षेत्र को भारत के बढ़ते बैटरी विनिर्माण और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में एक महत्वपूर्ण दावेदार के रूप में स्थापित करती है। तेलंगाना में इस नई सुविधा से लगभग

4,500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर और इतनी ही संख्या में अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करने की योजना है।

अमारा राजा ग्रुप के संस्थापक, रामचन्द्र एन. गल्ला ने इस पर टिप्पणी की और कहा, "अमारा राजा का मुख्य उद्देश्य हमेशा ऐसे संस्थानों का निर्माण करना रहा है जो अधिक से अधिक लोगों को बेहतर अवसर प्रदान करते हैं, और आज की यह शुरुआत इस क्षेत्र को बदल देगी।

एक्साइड इंडस्ट्रीज

अग्रणी बैटरी निर्माता, एक्साइड इंडस्ट्रीज, कर्नाटक में एक अत्याधुनिक लिथियम-आयन सेल विनिर्माण कारखाना स्थापित करने के लिए 6,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है। प्रस्तावित गीगाफैक्ट्री इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और औद्योगिक क्षेत्रों की विविध आवश्यकताओं



को पूरा करने के लिए तैयार उन्नत सेल केमिस्ट्री (एसीसी) तकनीक का उपयोग करेगी। ईवी क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण विकास नवाचार को बढ़ावा देने और भारतीय बाजार में टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की बढ़ती मांग का समर्थन करने के लिए एक्साइड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के हिस्से के रूप में, एक्साइड भारत में स्थानीय विनिर्माण के लिए एक प्रसिद्ध चीनी स्टोरेज बैटरी फर्म SVOLT एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ सहयोग करेगा। एक्साइड इस साझेदारी के माध्यम से एसवीओएलटी की लिथियम-आयन सेल तकनीक का व्यावसायीकरण करेगा, जिससे भारत की घरेलू बैटरी उत्पादन क्षमताओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक्साइड का लक्ष्य नए उत्पाद विकास को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) प्रयोगशाला और पायलट लाइन स्थापित करना है, जिससे भारतीय बाजार में कंपनी की तकनीकी विशेषज्ञता और उत्पाद पेशकश को और बढ़ाया जा सके।

इस परिवर्तनकारी उद्यम को सुविधाजनक बनाने के लिए, एक्साइड इंडस्ट्रीज ने बेंगलुरु से लगभग 40 किमी दूर केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास हरलुरु औद्योगिक क्षेत्र में 80 एकड़ भूमि का अनुरोध किया है। यह रणनीतिक स्थान परिवहन नेटवर्क तक सुविधाजनक पहुंच प्रदान करेगा और निर्बाध संचालन को सक्षम करेगा। प्रस्तावित सुविधा, जिसके 2024 के अंत तक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है, उन्नत सेल रसायन प्रौद्योगिकी वाली भारत की सबसे बड़ी गीगा फैक्ट्रियों में से एक के रूप में उभरेगी। इस

अत्याधुनिक सुविधा से 1,200 से 1,400 रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है, जो क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में योगदान देगा और उन्नत बैटरी प्रौद्योगिकियों में कुशल कार्यबल तैयार करेगा।

लुकास टीवीएस और 24एम टेक्नोलॉजीज

लुकास टीवीएस और 24एम टेक्नोलॉजीज ने भारत में एक अग्रणी गीगा फैक्ट्री स्थापित करने के



लिए सहयोग किया है, जो अपने साझेदार की अत्याधुनिक सेमीसॉलिड प्लेटफॉर्म तकनीक के आधार पर अगली पीढ़ी की लिथियम-आयन बैटरी विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पहला संयंत्र पास के चेन्नई में थेरवॉय कंडीगई, गुन्नीदिपुंडी में स्थापित करने की तैयारी है। चालू वित्त वर्ष, 2023 के अंत तक संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। प्रतिष्ठान 10 गीगावॉट की लक्ष्य क्षमता प्राप्त करने का प्रयास करता है, जिसे दो चरणों में पूरा करने का लक्ष्य रखा जाएगा।

टीवीएस ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय दक्षता के कारण 24M टेक्नोलॉजीज के साथ रणनीतिक रूप से साझेदारी की है, जो उनके 80 से अधिक स्वीकृत पेटेंटों के व्यापक संग्रह और वर्तमान में विकास के चरण में 100 से अधिक पेटेंटों से प्रमाणित है। हाथ में मौजूद तकनीक बढ़ी हुई मोटाई के साथ इलेक्ट्रोड के निर्माण की सुविधा प्रदान करती है, उनकी ऊर्जा

घनत्व को बढ़ाती है और साथ ही लागत को भी कम करती है। इसके अलावा, 24एम का परिष्कृत सेलुलर आर्किटेक्चर संभावित धातु अशुद्धियों को खत्म करके बढ़ी हुई सुरक्षा, निर्भरता और ट्रेसबिलिटी की गारंटी देता है, जो पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरी में शॉर्ट-सर्किट में योगदान देने वाला एक प्रचलित कारक है।

अपनी संबंधित क्षमताओं के रणनीतिक सहयोग के माध्यम से, लुकास टीवीएस और 24एम टेक्नोलॉजीज के बीच सहयोगात्मक प्रयास भारत में बैटरी उत्पादन डोमेन को बदलने का प्रयास करता है। सहयोगी उद्यम सुरक्षा और लागत-दक्षता को प्राथमिकता देते हुए ऊर्जा भंडारण दक्षता बढ़ाने के लिए तैयार है, जिससे अंततः इलेक्ट्रिक वाहनों और पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा विकल्पों के व्यापक एकीकरण को गति मिलेगी।

लुकास टीवीएस के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक टी के बालाजी के अनुसार, "लुकास टीवीएस अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में निवेश करने में विश्वास करता है, यही कारण है कि हमने 24M के साथ साझेदारी करना चुना है।" प्रौद्योगिकी हमें अपने ग्राहकों को किफायती ई-मोबिलिटी, लेड एसिड बैटरी रिप्लेसमेंट और बेहतर गुणवत्ता के साथ सर्वोत्तम श्रेणी सुरक्षा के साथ स्टोरेज समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगी।"

गोदी इंडिया

गोदी इंडिया, जिसका मुख्यालय हैदराबाद परिचालन में है, ने हाल ही में भारत में एक गीगा फैक्ट्री बनाने के अपने इरादे की घोषणा की है जो विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम-आयन सेल के निर्माण के लिए समर्पित है। यह उल्लेखनीय प्रयास भव्य पैमाने पर इलेक्ट्रिक बैटरियां बनाने और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए निगम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



उल्लेखनीय है कि गोदी इंडिया अपने लिथियम-आयन सेल के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से प्रमाणन प्राप्त करने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है, जिसे देशी तकनीक का उपयोग करके बनाया गया था। कड़े बीआईएस नियमों का अनुपालन करने के लिए, गोदी की कोशिकाओं को प्रतिष्ठित तृतीय-पक्ष परीक्षण इकाई, टीयूवी द्वारा सावधानीपूर्वक जांच और मूल्यांकन के अधीन किया गया था।

एक गीगा फैक्ट्री की स्थापना के माध्यम से, गोदी इंडिया देश के लिथियम-आयन कोशिकाओं के स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करने का प्रयास करता है, जिससे बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम हो जाती है और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के विस्तार को बढ़ावा मिलता है। उपरोक्त पैतरेबाज़ी तकनीकी प्रगति, बेहतर उत्पादन मानकों और परिवहन के पर्यावरण-अनुकूल तरीकों की ओर भारत के बदलाव को बढ़ावा देने के लिए गोदी की अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण देती है। गीगा फैक्ट्री के उद्घाटन से गोदी इंडिया भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के एकीकरण में तेजी लाने और देश के स्थायी ऊर्जा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गोदी इंडिया के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महेश गोदी ने कहा, "निकट भविष्य में भारत में इलेक्ट्रिक वाहन की पहुंच एक वास्तविकता बनने की उम्मीद है। परिणामस्वरूप, लिथियम-

आयन बैटरी-आधारित भंडारण समाधानों को प्रमुखता मिलेगी और भारतीय परिस्थितियों के लिए अनुकूलित कोशिकाओं का स्थानीयकरण ऑटोमोटिव और ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों (ईएसएस) दोनों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक सेल प्रौद्योगिकी खिलाड़ी के रूप में, हम इस रोमांचक यात्रा का हिस्सा बनना चाहेंगे," उन्होंने आगे कहा, "भारत को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक होने की उम्मीद है और ग्राहक सुरक्षित और लंबे समय तक चलने वाले बाजारों की तलाश में हैं। रेंज बैटरियां, जरूरत को महसूस करते हुए, हम 2024 तक भारत में लिथियम-आयन सेल निर्माण के लिए अपनी पहली स्वदेशी गीगा फैक्ट्री स्थापित कर रहे हैं।

सिग्री एनर्जी

2016 में, सिग्री ने 'मेक इन इंडिया' (स्टार्ट-अप इंडिया) पहल के तहत मान्यता प्राप्त उद्घाटन ब्रांड होने का सम्मान हासिल किया। आज, सिग्री एक अत्याधुनिक गीगा फैक्ट्री की स्थापना करके तेलंगाना में एक अभूतपूर्व उद्यम शुरू कर रहा है। 1,200 मेगावाट की प्रभावशाली क्षमता के साथ, यह सुविधा सालाना लगभग 400,000 बैटरी पैक का उत्पादन करने के लिए तैयार है।

गीगा फैक्ट्री अपने आप में नवाचार का एक प्रमाण है, जो अत्याधुनिक विनिर्माण क्षमताओं का दावा करती है। लेजर वेल्डिंग, स्वचालित सेल



सॉर्टिंग और ईओएल परीक्षण जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित, यह ग्रीनफील्ड सुविधा दक्षता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए पोर्टेबल मशीनों और उपकरणों का उपयोग करती है। यह ध्यान देने योग्य है कि बैटरी प्रौद्योगिकी का क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, आने वाले वर्षों में निरंतर प्रगति की उम्मीद है। सिग्री इस गतिशील उद्योग में अनुकूलन करने और सबसे आगे रहने के लिए तैयार है, और लगातार सर्वोत्तम संभव बैटरी समाधान देने का प्रयास कर रहा है।

सिग्री एनर्जी के सीईओ वेंकट राजारमन ने कहा, "ईवी बैटरी के प्रदर्शन, सुरक्षा और गुणवत्ता वाले उत्पादों तक पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता कभी इतनी अधिक नहीं रही। फंडिंग का यह दौर हमें अपने उत्पाद की पेशकश को मजबूत करने और 1.2GWh प्रति वर्ष की क्षमता के साथ ग्रीनफील्ड विनिर्माण सुविधा स्थापित करने में मदद करेगा। यह न केवल प्रौद्योगिकी में हमारे विश्वास को प्रमाणित करता है बल्कि विनिर्माण के पैमाने को भी तेज करता है।"

(e-vehicleinfo.com)

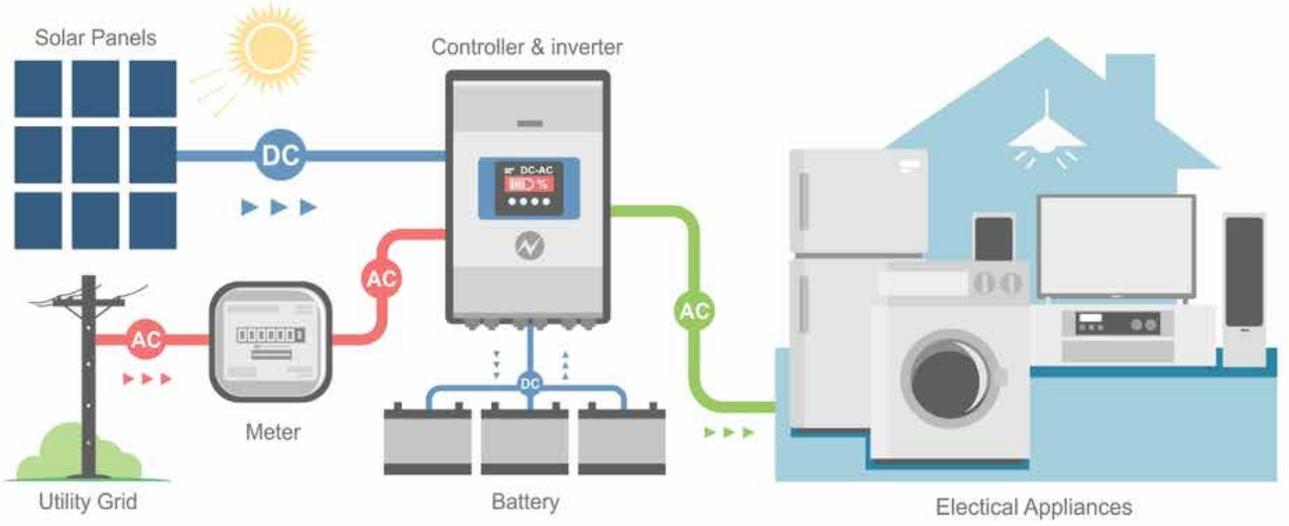
लाखों पाठक

देखें आपका विज्ञापन

info@batterybusiness.in

www.batterybusiness.in

बैटरी उद्योग और सोलर उद्योग एक दूसरे के पूरक हैं



बैटरी उद्योग और सौर उद्योग कई तरह से एक-दूसरे के पूरक हैं, जो तालमेल बनाते हैं जो एक अधिक टिकाऊ और कुशल ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करते हैं। यहाँ कुछ प्रमुख तरीके दिए गए हैं जिनमें वे एक साथ काम करते हैं:

ऊर्जा भंडारण: सौर ऊर्जा रुक-रुक कर होती है, क्योंकि यह मौसम की स्थिति और दिन के उजाले की उपलब्धता जैसे कारकों पर निर्भर करती है। बाद में उपयोग के लिए दिन के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त सौर ऊर्जा को संग्रहित करने में बैटरियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सौर प्रतिष्ठानों के साथ बैटरी को एकीकृत करके, कम सौर उत्पादन या उच्च मांग की अवधि के दौरान ऊर्जा को संग्रहित और डिस्चार्ज किया जा सकता है, जिससे अधिक सुसंगत और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति होती है।

ग्रिड स्थिरता और लचीलापन: सौर ऊर्जा, जब पावर ग्रिड में एकीकृत होती है, तो क्लाउड कवर और सूरज की रोशनी में बदलाव जैसे कारकों के कारण उतार-चढ़ाव वाले आउटपुट हो सकते हैं। बैटरी स्टोरेज सिस्टम इन उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद कर सकते हैं और बिजली की स्थिर और लगातार आपूर्ति प्रदान कर सकते हैं। वे ग्रिड को संतुलित करने और समग्र प्रणाली के लचीलेपन में सुधार करने में मदद करते हुए ऊर्जा की मांग में बदलाव के लिए भी तेजी से प्रतिक्रिया कर सकते हैं।

टाइम शिफ्टिंग एनर्जी यूज: बैटरियां सौर ऊर्जा को बाद में उपयोग के लिए टाइम-शिफ्ट करने में सक्षम बनाती हैं। सौर पैनल दिन के दौरान बिजली उत्पन्न करते हैं, और अतिरिक्त ऊर्जा बैटरी

में खपत के लिए चरम मांग अवधि के दौरान या रात के दौरान सौर उत्पादन संभव नहीं होने पर संग्रहित किया जा सकता है। यह ऊर्जा उपयोग को अनुकूलित करने में मदद करता है, पीक आवर्स के दौरान जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन पर निर्भरता कम करता है और बिजली की लागत कम करता है।

ऑफ-ग्रिड सिस्टम: दूरस्थ या ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में जहां पारंपरिक पावर ग्रिड तक पहुंच सीमित है, बैटरी स्टोरेज के साथ संयुक्त सौर पैनल बिजली का एक स्थायी और विश्वसनीय स्रोत प्रदान कर सकते हैं। सौर पैनल दिन के दौरान बिजली उत्पन्न करते हैं, जिसे रात के समय या जब सौर ऊर्जा उपलब्ध नहीं होती है, तब उपयोग के लिए बैटरी में संग्रहित किया जा सकता है। यह संयोजन एक स्वच्छ और स्वतंत्र ऊर्जा समाधान प्रदान करता है।

मांग प्रबंधन: सौर प्रतिष्ठानों के साथ एकीकृत बैटरियां अधिक प्रभावी मांग प्रबंधन की अनुमति देती हैं। अतिरिक्त सौर ऊर्जा को कम मांग के समय बैटरी में संग्रहित किया जा सकता है और अत्यधिक मांग अवधि के दौरान डिस्चार्ज किया जा सकता है, ग्रिड पर तनाव कम किया जा सकता है और अतिरिक्त पारंपरिक बिजली उत्पादन की आवश्यकता से बचा जा सकता है। यह ऊर्जा उपयोग को अनुकूलित करने और समग्र ग्रिड दक्षता में सुधार करने में मदद करता है।

लचीलापन और बैकअप पावर: सौर और बैटरी सिस्टम ग्रिड आउटेज या आपात स्थिति के दौरान बैकअप पावर प्रदान कर सकते हैं। बैटरी के

साथ सौर पैनलों के संयोजन से, घरों या व्यवसायों के पास ग्रिड डाउन होने पर बिजली का एक विश्वसनीय स्रोत हो सकता है। यह ऊर्जा लचीलापन बढ़ाता है, डीजल जनरेटर या अन्य जीवाश्म ईंधन-आधारित बैकअप समाधानों पर निर्भरता कम करता है, और अधिक टिकाऊ ऊर्जा अवसंरचना में योगदान देता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएस) के साथ एकीकरण: बैटरी उद्योग और सौर उद्योग दोनों ही इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ईवीएस को चार्ज करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है, जिससे परिवहन से जुड़े कार्बन फुटप्रिंट को कम किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, ईवीएस में बैटरी मोबाइल ऊर्जा भंडारण इकाइयों के रूप में काम कर सकती हैं, जिससे वाहन-से-ग्रिड (वी2जी) अनुप्रयोगों की अनुमति मिलती है जहां संग्रहित ऊर्जा को उच्च मांग की अवधि के दौरान ग्रिड में वापस फीड किया जा सकता है।

कुल मिलाकर, सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण प्रौद्योगिकियों का संयोजन अधिक विश्वसनीय, टिकाऊ और कुशल ऊर्जा प्रणाली प्रदान करता है। यह ग्रिड में अक्षय ऊर्जा के एकीकरण को सक्षम बनाता है, ग्रिड स्थिरता को बढ़ाता है, मांग प्रबंधन का समर्थन करता है और बैकअप पावर प्रदान करता है। दोनों उद्योगों में चल रही प्रगति से उनके पूरक संबंधों को और मजबूत करने और एक स्वच्छ और अधिक टिकाऊ ऊर्जा भविष्य की दिशा में संक्रमण में योगदान की उम्मीद है।



JANTA
ULTIMATE POWER

INVERTER & AUTOMOTIVE BATTERY



www.jantabattery.com

Toll Free No. **1800-8910-771**

टोयोटा ने ईवी इनोवेशन की योजना के लिए नई बैटरी टेक्नोलॉजी का खुलासा किया



एक मीडिया वेबसाइट के अनुसार टोयोटा मोटर ने कहा कि वह रेंज और प्रदर्शन में सुधार करने और अपने इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत में कटौती करने के लिए उच्च-प्रदर्शन, ठोस-राज्य बैटरी और अन्य तकनीकों को पेश करेगी। जापानी कार निर्माता ने कहा कि इसका लक्ष्य 2026 से अगली पीढ़ी की बैटरी लॉन्च करना है, उपभोक्ताओं को ऐसे वाहनों से जीतना है जो लंबी ड्राइविंग रेंज और तेज चार्जिंग समय प्रदान करते हैं। यह भी कहा कि यह बड़े पैमाने पर ठोस-राज्य बैटरियों का उत्पादन करने के लिए एक विधि विकसित कर रहा था, जिसका उद्देश्य 2027-2028 में व्यावसायीकरण करना है।

जो घोषणा टोयोटा की वार्षिक शेयरधारकों की बैठक से एक दिन पहले हुई थी, जहां रणनीति और शासन की जांच की जाएगी, ईवीएस के लिए तेजी से बढ़ते बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए ऑटोमेकर की रणनीति का अभी तक पूरा खुलासा हुआ है, जहां यह प्रतिद्वंद्वियों से पिछड़ गया है।

ऑटोमेकर ने कहा कि यह अधिक कुशल

लिथियम-आयन बैटरी के साथ एक ईवी का उत्पादन करेगा जिसकी रेंज 1,000 किमी (621 मील) होगी। तुलनात्मक रूप से, दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली ईवी टेस्ला मॉडल वाई का लंबी दूरी का संस्करण, यू.एस. परीक्षण मानकों के आधार पर लगभग 530 किमी तक ड्राइव कर सकता है।

टोयोटा ने अपनी नई लंबी दूरी की ईवी की अपेक्षित लागत या निर्माण की जगह का विवरण नहीं दिया, न ही यह बताया कि यह अगली पीढ़ी की ठोस-राज्य बैटरियों को कहां बनाएगी जो विकास की ओर बढ़ रही हैं या आवश्यक निवेश का खुलासा करती हैं।

नई टोयोटा ईवी इकाई बीईवी फैक्ट्री के अध्यक्ष ताकेरो काटो ने मंगलवार को ऑटोमेकर के यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, "हम जो हासिल करना चाहते हैं, वह बीईवी के साथ भविष्य को बदलना है।"

काटो ने कहा, "हम 2026 से अगली पीढ़ी की बैटरी ईवी को वैश्विक स्तर पर और बाजार में एक

पूर्ण लाइनअप के रूप में लॉन्च करेंगे।"

टोयोटा ने अन्य तकनीकों के बारे में भी विस्तार से बताया, जिन्हें वह अपने ईवी और बैटरी की लागत कम करने के लिए तैनात करने की योजना बना रही है।

ऑटोमेकर ने यूएस ईवी लीडर टेस्ला द्वारा अग्रणी उत्पादन नवाचार को अपनाते हुए उत्पादन लागत में कटौती करने के लिए "सेल्फ-प्रोपेलिंग" असेंबली लाइन और गीगा कास्टिंग का उपयोग करने का संकल्प लिया।

मई में स्थापित BEV फैक्ट्री का लक्ष्य 2030 तक लगभग 1.7 मिलियन वाहनों का उत्पादन करना है, काटो ने कहा - 3.5 मिलियन EVs टोयोटा का लगभग आधा उस वर्ष तक सालाना बेचने का लक्ष्य है।

अप्रैल में, ऑटोमेकर ने दुनिया भर में 8,584 ईवी बेचे, जिसमें इसके लेक्सस ब्रांड के तहत, पहली बार एक महीने में इसकी वैश्विक बिक्री का 1% से अधिक का हिस्सा है।



www.xtraapower.in

AUTOMOTIVE INVERTER & MOTORCYCLE BATTERIES



CONTACT US: +91 9468948911

आपकी कम्पनी ग्राहकों की संतुष्टि को कैसे मापती है और प्राथमिकता देती है?

बैटरी व्यापार किसी विशिष्ट संगठन का प्रतिनिधित्व नहीं करता। हालाँकि, इस लेख द्वारा आपको सामान्य जानकारी प्रदान कर किया जा रहा है कि कंपनियां आम तौर पर ग्राहकों की संतुष्टि को कैसे मापती हैं और प्राथमिकता देती हैं।

सर्वेक्षण और फीडबैक: कई कंपनी ग्राहकों से फीडबैक इकट्ठा करने के लिए सर्वेक्षण का उपयोग करते हैं। इन सर्वेक्षणों में समग्र संतुष्टि, विशिष्ट अनुभव या उत्पाद या सेवा के विशिष्ट पहलुओं के बारे में प्रश्न शामिल हो सकते हैं। फीडबैक ऑनलाइन समीक्षाओं, सोशल मीडिया टिप्पणियों या सीधे संचार चैनलों के माध्यम से भी एकत्र किया जा सकता है।

नेट प्रमोटर स्कोर (एनपीएस): एनपीएस आम तौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला मीट्रिक है जो ग्राहकों की वफादारी और संतुष्टि को मापता है। यह ग्राहकों से 0 से 10 के पैमाने पर रेटिंग देने के लिए कहता है कि दूसरों को उत्पाद या सेवा की अनुशंसा करने की उनकी कितनी संभावना है। अंकों को तीन समूहों में वर्गीकृत किया गया है: प्रवर्तक (9-10), निष्क्रिय (7-8), और आलोचक (0-6)।

ग्राहक प्रयास स्कोर (सीईएस): सीईएस किसी उत्पाद या सेवा का उपयोग करने में ग्राहक के

अनुभव की आसानी को मापता है। इसमें आम तौर पर ग्राहकों से किसी समस्या को हल करने या वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रयास के स्तर को रेट करने के लिए कहा जाता है। कम प्रयास स्कोर उच्च ग्राहक संतुष्टि का संकेत देते हैं।

ग्राहक संतुष्टि स्कोर (CSAT): CSAT ग्राहक संतुष्टि का प्रत्यक्ष माप है। इसमें ग्राहकों से किसी विशिष्ट उत्पाद, सेवा या इंटरैक्शन के साथ उनकी संतुष्टि को एक पैमाने पर रेट करने के लिए कहा जाता है, जो अक्सर 1 से 5 या 1 से 10 के बीच होता है। औसत स्कोर समग्र संतुष्टि का संकेत प्रदान करता है।

ग्राहक शिकायतें और समर्थन टिकट: ग्राहकों की शिकायतों और समर्थन टिकटों की निगरानी और विश्लेषण उन क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है जहां ग्राहकों को समस्याएं या असंतोष का सामना करना पड़ सकता है। इन शिकायतों की माला और प्रकृति पर नज़र रखकर, संगठन आवर्ती समस्याओं की पहचान कर सकते हैं और उनका समाधान कर सकते हैं।

ग्राहक प्रतिधारण और मंथन दर: वह दर जिस पर ग्राहक किसी उत्पाद या सेवा का उपयोग जारी रखते हैं (प्रतिधारण) या इसका उपयोग बंद कर देते हैं (मंथन) ग्राहक संतुष्टि का एक महत्वपूर्ण संकेतक

हो सकता है। उच्च प्रतिधारण दर आम तौर पर उच्च संतुष्टि का संकेत देती है, जबकि उच्च मंथन दर अंतर्निहित मुद्दों का संकेत दे सकती है।

सोशल मीडिया और ऑनलाइन उपस्थिति: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन फोरम और समीक्षा वेबसाइटों की निगरानी से ग्राहकों की भावना और संतुष्टि के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिल सकती है। ऑनलाइन बातचीत और भावनाओं का विश्लेषण करने से रुझानों और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देने के लिए, संगठन अक्सर समर्पित टीमों या व्यक्तियों को ग्राहक की सफलता के लिए जिम्मेदार नियुक्त करते हैं। ये टीमें सक्रिय रूप से फीडबैक का विश्लेषण करती हैं, समस्याग्रस्त बिंदुओं की पहचान करती हैं और सुधार पर काम करती हैं। वे गंभीरता, ग्राहकों की संतुष्टि पर प्रभाव और संगठन के समग्र लक्ष्यों के साथ तालमेल के आधार पर मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि विभिन्न संगठन अपने विशिष्ट उद्योग, उत्पादों और ग्राहक आधार के आधार पर ग्राहकों की संतुष्टि को मापने और प्राथमिकता देने के लिए विभिन्न दृष्टिकोण अपना सकते हैं और कई मेट्रिक्स को जोड़ सकते हैं।





QUICKTM
Power

**Powering Your Life,
Quick Power
Tall Tubular Battery
Delivering Excellence.**



CUSTOMER SUPPORT
9990-300-301

**ASHU
ENTERPRISES**

TRADE ENQUIRY
9990-94-6060

वसुधा/जननी

हम भारतवासी वसुधा को, कहते हैं धरती माता।
धरतीमाता से हम सबका, है इतना गहरा नाता ॥

जनम जनम से धरती माता, अन्न नीर देती आई।
अपनी इस प्यारी जननी की, महिमा हम सबने गाई।
जो भी इस धरती पर आया, गीत वही इसके गाता।
हम भारतवासी वसुधा को, कहते हैं धरती माता ॥ १ ॥

सोना चांदी खनिज संपदा, पाया यहीं खजाने को।
गैस और पेट्रोल दे रही, जीवन हमें सजाने को।
हीरे मोती पन्ना माणिक, और बहुत कुछ भी पाता।
हम भारतवासी वसुधा को, कहते हैं धरती माता ॥ २ ॥

मानव तू निकला निर्मोही, इतना समझ नहीं पाया।
माँ को उपकारों के बदले, हरदम तू छलता आया।
कुछ ऐसा कर लेता उसके, मुख पर तू खुशियां लाता।
हम भारतवासी वसुधा को, कहते हैं धरती माता ॥ ३ ॥

हम भारतवासी वसुधा को, कहते हैं धरती माता।
धरतीमाता से हम सबका, है इतना गहरा नाता ॥



सुरेश चन्द्र जोशी
नोएडा, उत्तर प्रदेश

मृत्यु भोज

शब्दों में सामर्थ्य कहाँ, जो भावों को व्यक्त करें।
फटने को कलेजा होता, मन कितना रुदन करें।
बिलख रही आंगन में पत्नी, बार-बार ज़िद करती,
अंतिम दर्शन करने दो, सब से अनुनय-विनय करें।

सिंदूर मिटाकर सिर से, चट लाल चूड़ियां तोड़ी,
अखंड विधवा, कुछ धमकाते, कुछ झिड़क रहे।
सात फेरों के बंधन को, उल्टी रीत उधेड़ कर,
अबीर गुलाब बिखरा, ले चलें मृतक दाह करें।

दिखता कोई मन से दुखी, कोई तन से दुखी,
जो बोले नहीं सीधे मुंह, वो भी गुणगान करें।
जल्दी देखें, अर्था से पहले पहुंचते श्मशान में,
समय ले रहा जलने में, इंसान ऐसी बातें करें।

जाने कितने सपने संजोए थे, घर- परिवार के,
देहरी रोती छोड़, पति पिता अकाल कूच करें।
क्रिया कर घर लौटे, बैठक सजती सांझ ढले,
सौ बरस पूरे हो गए, मृत्यु भोज की चर्चा करें।

आधी रात सियार रो रहे, कुत्ते हड्डी पाने को,
बुढ़ी सास बंधाती ढांडस, बहु कैसे भोज करें।
सिसक-सिसक मां रोती, बच्चे पल्लू को पकड़े,
बेवा मजबूरी में धरती, महाजन के गिरवी धरे।

गिद्ध भोज की हुई तैयारी, यूं मन में लड्डू फूटते,
भाई बांधव सगे संबंधी, अपनी लिप्सा शांत करें।
लड्डू मीठे कम बने, अरे ! नहीं तरकारी में तेल,
पंच कहे हुक्का पी, काम चलाऊं मौसर करें।

बेबस कौतुक से परिपूर्ण, देखें जग की करतूतें
आठ साल का बालक, पगड़ी को धारण करें।
सफेद पाग सिर पर, सकल जगत का बोझा,
उजड़ी घर की छत बचपन भारी विलाप करें।

काग बोलते बैठ मुंडेर, कुत्तियां पातल चाटती,
तितर- बितर बर्तन बिखरे, भाई बैठ हिसाब करें।
एक और मौत रोके, मृतक के घर को मत मारो।
आओ मिलकर हम सब, मृत्यु भोज को बंद करें।

डॉ. भगवान सहाय मीना

बाड़ा पदमपुरा, जयपुर, राजस्थान।

मोबाइल - 9928791368

कविता, लघुकथा, कहानी, लेख आप भी भेज सकते हैं। संपादक मंडल अगर चयनित करते हैं तो बैटरी व्यापार में प्रकाशित होंगे। नीचे दिए गए ई-मेल आईडी पर मेल करें: info@batterybusiness.in

टेक्नोलॉजी

टेक्नोलॉजी के चमकते जमाने,
मन को भावों से दूर करने।
आधुनिकता की प्रगति को देखो,
हर क्षण नया विचार जगाए।

जगमगाती दुनिया में एक बदलाव,
आँखों को खोले, मन को खोले।
चाहे बैठे हों जहाँ कहीं,
दूर बैठे रिश्ते साथ जोड़ें।

संपर्क बना दुरी को हटाने का जरिया,
इंटरनेट का जादू हर घर में लाया।
सोशल मीडिया, वीडियो कॉल्स और ईमेल,
जगत भर में बन गये अद्वितीय संबंधों का मेल।

राहुल कुशवाहा, सदस्य, बैटरी व्यापार पत्रिका

ज्ञान का स्रोत बना इंटरनेट,
सूचनाओं का समुद्र हर देश में।
बाजार की खबर से लेकर खेल की सूचना तक,
पानी से ज्यादा तेज़ बदल गयी है जबान।

डिजिटल युग के बदलते रंग,
हर कोई जुड़ा अब दूसरे संग।
बच्चे दूर बैठे पढ़ते हैं अब अच्छी तरह,
परीक्षाओं में आवाज की नहीं आती भरमार।

मोबाइल ने जिन्दगी को आसान बनाया,
अपने हाथों में पूरी दुनिया लाया।
बिना जगह जाए करते हैं खरीदारी,
बैंक के काम अब हो जाते हैं सरलीकृत करारी।

बैटरी

आओ चलें एक यात्रा पर आज,
बैटरी के संग पुकारती है हमें ये आवाज।
छोटी सी ऊर्जा का अमर स्रोत,
जो चलाता है दुनिया को आगे आगे होत।

इलेक्ट्रॉन के मंगलमय खेल,
देता है सबको संचार की राहत वेल।
समय की उमंग को धरती पे लाता,
बैटरी की शक्ति अद्वितीय होता।

मोबाइल, गेम्स, वाहनों की शक्तिदायी,
बैटरी है जो उन्नति की प्रधानाध्यक्षी।
प्यारी बैटरी, तुम्हारी खोज में हम,
दिन-रात प्रयासरत रहते हैं कम।

विनय कुमार, बैटरी व्यापार पत्रिका



**FINDING
THE BEST SOLUTION**

हम हैं

डिजाइन समाधान

SuperStik™
.... चिपका रहे !
BATTERY STICKER
कभी सार ना छोड़ें !

**बैटरी स्टीकर • वारंटी कार्ड • लिफलेट
बॉक्स • टैग • टेन्ट कार्ड • कैलेण्डर
लोगो • स्टेशनरी • कैटलोग**

BRANDING | PRINTING | SOCIAL MEDIA

DESIGNWORLD
GRAPHICS | WEB | PRINT

M.: 9582593779, 99101 83526, 99712 93665
E.: superstiklable@gmail.com | W.: www.designworldmedia.in

www.batterybusiness.in

बैटरी व्यापार
Battery Business

ऑनलाइन मासिक

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन,
ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों
के लिए प्रकाशित

सदस्यता प्रपत्र

फोटो

नाम _____

पता _____

पता _____ फोन _____

मोबाइल _____ ई-मेल _____

दिनांक _____ हस्ताक्षर _____

विज्ञापन दर

कवर स्टोरी (कवर विज्ञापन)	10000/- रुपये
पिछला आवरण	5000/- रुपये
प्रथम आवरण के पीछे	4000/- रुपये
पिछले आवरण के पीछे	4000/- रुपये
पूरा पृष्ठ	3000/- रुपये
आधा पृष्ठ	2000/- रुपये
चौथाई पृष्ठ	1500/- रुपये
न्यूनतम	1000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि

एक वर्ष : 1200/- रुपये दो वर्ष : 1800/- रुपये
पांच वर्ष : 4000/- रुपये आजीवन : 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld"
के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE
DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. 9582593779



SAM
Above & Beyond

www.sambattery.com
info@sambattery.com

COMPLETE RANGE OF
MOTORCYCLE
BATTERY



SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86

LONG LIFE | MAINTENANCE FREE



बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

Website : www.batterybusiness.in

Email : info@batterybusiness.in



Toll Free : 1800-891-3910

GO SOLAR WITH STAXXA SOLAR



HIGH POWER OUTPUT

Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

Complete Range of High Efficiency Solar Panels available Models

12V Poly Series :

40W, 50W, 75W, 100W, 160W

24V Poly Series :

335W, 350W

Monoperc 24V Series :

400W



SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN



The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

IP67 RATED JUNCTION BOX

IP67

The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com